

Affordable clean air tech call

DIPAK MISHRA

Patna: Deputy chief minister Sushil Kumar Modi promised better air monitoring in Bihar and also asked for affordable technology to fight the menace of pollution.

"We have given brick kiln-owners a year to install new technology to reduce air pollution or lose their licence," Sushil said. "But it is going to cost kiln-owners Rs 30 to 40 lakh each to install the new technology. If three years later it again becomes obsolete, will we again ask them to install more advanced technology? Technology to make air quality better must also be affordable."

The deputy chief minister was speaking at the national conference on air pollution organised by the Centre for Environment and Energy Development (CEED).

Government representatives from Bihar, Jharkhand and Uttar Pradesh had come to discuss a regional action plan in this regard. Uttar Pradesh minister for environment, Dara Singh Chauhan, and Jharkhand minister for food and civil supplies minister, Saryu Roy, could not attend but sent their pre-recorded messages. "Next time we will try and see that ministers come to Patna and discuss the issue rather than just send messages," Modi said in a lighter vein.

He stressed that alternatives must be provided to the common man. "The air pollution in Delhi is directly related to burning of hay in the fields," Modi said. "I have seen farmers adamant about continuing their practice even if they have to go to jail. How many of them can you put behind bars? Tell them what can be done with hay which would not

harm the quality of air." He said solutions to environment problems cannot be arrived at by blindly aping the west. "The solutions must be integrated with our culture, which treats rivers and plants as gods."

CEED CEO Ramapati Kumar stressed that poor air quality was causing a public health nightmare in the region and it was time for the three states to get together and draw up an action plan to meet the



Sushil Modi and Adri member-secretary Shaibal Gupta (right) inaugurate the conference in Patna on Tuesday. Picture by Nagendra Kumar Singh

challenge. Others who spoke on the occasion included ADRI member-secretary Shaibal Gupta, environment expert Kunal Sharma and chief environment officer of UP Pollution Control Board, Rajeev Upadhyay.

The fact-sheet distributed on the occasion showed the Indo-Gangetic plain as the global hotspot of air pollution, hosting half of the 20 most polluted cities in the world according to WHO. Only 1 per cent of the 36 million city dwellers in the region breathe clean air and states like Uttar Pradesh, Bihar and Jharkhand are the worst sufferers.

पटना में लगेगा वायु प्रदूषण मापक यंत्र



वायु प्रदूषण मुक्ति को लेकर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते डिप्टी सीएम सुशील मोदी

राज्य ब्यूरो, पटना : उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि प्रदूषण पूरे विश्व के लिए ज्वलंत समस्या है। वायु प्रदूषण के कारण हर साल लाखों लोगों की असमय मौत हो रही है। इतना ही नहीं लाखों लोग गंभीर रोगों के शिकार बन रहे हैं। मंगलवार को गंगा के मैदानी इलाकों में वायु प्रदूषण से मुक्ति की साझा कोशिशों पर आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बढ़ते प्रदूषण पर अंकुश लगाने को प्रयासरत है। प्रदेश के सभी शहरों में वायु प्रदूषण मापक यंत्र लगाए जाएंगे। पटना में ऐसे पांच और मुजफ्फरपुर में दो यंत्र शीघ्र ही लगेगे। कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर इनवायरमेंट एंड इनर्जी डेवलपमेंट (सीड) ने किया था।

उन्होंने कहा कि ईट-भट्टे वायु प्रदूषण के बड़े कारक हैं। इसलिए राज्य के ईट-भट्टा मालिकों को जिगजैक तकनीक पर आधारित चिमनी लगाने का निर्देश दिया गया है। पटना के निकटवर्ती पांच प्रखंडों में इस तकनीक को अपनाए बिना ईट-भट्टों को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी नगर निगमों को निर्देश दिया गया है कि

बोले उपमुख्यमंत्री

- कृषि अपशिष्ट को जलाने से परहेज करें किसान
- वैज्ञानिक तकनीक को सस्ती और सहज बनाएं

कचरे की ढुलाई तिरपाल से ढक कर करें। किसानों से उन्होंने कृषि अपशिष्ट को जलाने से परहेज करने की सलाह दी। मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में वायु के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बड़ी चुनौती बनने वाला है। गाड़ियों के हॉर्न और शोर से परेशानी बढ़ रही है। जल प्रदूषण की चर्चा करते हुए मोदी ने बताया कि सरकार ने तय किया है कि सीवरेज के पानी को उपचार के बाद भी गंगा में नहीं बहाया जाएगा। पॉलीथिन बैग के प्रयोग को उसके निर्माण पर रोक लगा कर ही बंद किया जा सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से भविष्य के दुष्परिणाम को ध्यान में रखकर तकनीक ईजाद करने को कहा। इस मौके पर सीड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी रमापति कुमार, कुणाल शर्मा, डॉ शैवाल गुप्ता, डा. राजीव उपाध्याय आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

हिन्दुस्तान

बोर्ड पर दिखेगी वायु की गुणवत्ता

पटना | कार्यालय संवाददाता

पटना, गया, मुजफ्फरपुर में वायु गुणवत्ता प्रबोधन केन्द्र की संख्या बढ़ाई जाएगी। इन शहरों में वायु की गुणवत्ता से संबंधित रिपोर्ट बोर्ड में डिस्प्ले किया जाएगा। पटना शहर में जाड़े के छह महीने यानी अक्टूबर से मार्च तक वायु प्रदूषण की स्थिति चिन्ताजनक हो जाती है। इस दौरान वायु में छोटे कण पदार्थ की मात्रा 100 से 300 माइक्रोग्राम घनमीटर तक पायी गयी है, जबकि 60 माइक्रोग्राम घनमीटर ही होना चाहिए। सेंटर फॉर इन्वायरमेंट एंड इनर्जी डेवलपमेंट (सीड) की ओर से आयोजित वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के बाद अपने सम्बोधन में उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि

तीन राज्यों में सिर्फ 78 मैनुअल मॉनिटरिंग केंद्र

बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में 35 मिलियन की आबादी पर, वायु गुणवत्ता संबंधी आंकड़ों के संग्रहण के लिए केवल 78 मैनुअल मॉनिटरिंग सेंटर स्थापित है। कई शोध दर्शाते हैं कि देश में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए समय आधारित एक साझा कार्ययोजना के लिए निर्माण में मॉनिटरिंग कर्मियों की कमी है। कानपुर के सेंटर फॉर एनवायरमेंट सायंस एण्ड इंजीनियरिंग के कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी ने कहा कि बिहार, यूपी और झारखंड में वायु गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए मॉनिटरिंग सिस्टम मजबूत करने की जरूरत है।

ईट-भट्टा वायु प्रदूषण के बड़े कारक हैं। भट्टा मालिकों को जिग-जैक तकनीक पर आधारित चिमनी लगाने का निर्देश दिया गया है। पटना नगर निगमों को कचरा की ढुलाई तिरपाल से ढंक कर करने को कहा गया है।

ध्वनि प्रदूषण भी बड़ी चुनौती : आने वाले दिनों में वायु के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बड़ी चुनौती बनने वाली है। गाड़ियों

के हॉर्न और अनावश्यक शोर से परेशानी बढ़ रही है। जल प्रदूषण की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने तय किया है कि सीवरेज के पानी को उपचार के बाद भी गंगा में बहाने के बजाय उसका उपयोग खेती में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन बैग के प्रयोग को उसके निर्माण पर रोक लगा कर ही बंद किया जा सकता है।

शासन-प्रशासन

दैनिक भास्कर, पटना, बुधवार, 01 नवंबर, 2017

मोदी बोले

प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नई तकनीक को लोगों तक उपलब्ध कराना होगा

पटना में पांच स्थानों पर लगेंगे एयर क्वालिटी मॉनिटर

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि दिनोंदिन गंभीर होती प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए नई तकनीक को आम लोगों तक पहुंचाना होगा। राजधानी में पांच स्थानों पर वायु गुणवत्ता को मापने की मशीन लगाई जाएगी। साथ ही मुजफ्फरपुर, गया और भागलपुर में भी एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। वे मंगलवार को सेंटर फॉर इन्वायरमेंट एंड इनर्जी डेवलपमेंट (सीड) द्वारा वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जाड़े के मौसम में पटना में वायु प्रदूषण की स्थिति काफी चिन्ताजनक हो जाती है। अक्टूबर से मार्च के बीच वायु में एसपीएम की मात्रा 100 से 300 माइक्रोग्राम घनमीटर तक पहुंच जाती है, जबकि 60 माइक्रोग्राम घनमीटर ही होना चाहिए।

सीवरेज के पानी का उपचार के बाद सिंचाई में होगा उपयोग : मोदी ने कहा कि जल्द ही सीवरेज के पानी को उपचार के बाद भी गंगा में बहाने की बजाय उसका उपयोग खेती में किया जाएगा।



सेमिनार का शुभारंभ करते उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी व आद्री के सदस्य सचिव शैबाल गुप्ता।

सेमिनार को आद्री के सदस्य सचिव शैबाल गुप्ता, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव आलोक कुमार, शक्ति सस्टेनेबल इनर्जी फाउंडेशन के कुणाल शर्मा, सीड के सीईओ रमापति कुमार, यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के राजीव उपाध्याय आदि ने भी संबोधित किया। सेमिनार में यूपी के मंत्री दारा सिंह चौहान और झारखंड के मंत्री सरयू राय का वीडियो संदेश दिखाया गया। इस सेमिनार में बिहार, झारखंड और यूपी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी कालेधन की वयों टलती रही जांच

पटना | उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने ट्वीट कर राहुल गांधी से पूछा- सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद कालेधन की जांच क्यों टलती रही? इसके पीछे क्या मकसद था? राहुल गांधी यह भूल जाते हैं कि यूपीए सरकार के 10 साल में हुए लाखों करोड़ रुपए के घोटाले और कालेधन की बड़ी राशि का विदेशी बैंकों में जमा होना ही अर्थव्यवस्था के जहाज के लिए सबसे बड़ा तारपीड़ो साबित हुआ था।

स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से ऊंची होगी पटेल की प्रतिमा : एक अन्य ट्वीट में लिखा- स्वाधीन भारत की 565 रियासतों को जोड़ कर भारतीय गणराज्य की मजबूत नींव रखने वाले लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल प्रधानमंत्री होते तो न कश्मीर समस्या होती, न परिवारवाद फैलता। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में सरदार पटेल की उपेक्षा की और केवल नेहरू परिवार का महिमामंडन किया। मोदी ने कहा कि गुजरात में सरदार सरोवर बांध पर बबने वाली पटेल प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से भी ऊंची होगी।

पटना में लगेंगे पांच वायु प्रदूषण मापक यंत्र

» सुमो ने कहा, कृषि अपशिष्ट को जलाने से परहेज करें

» वैज्ञानिक तकनीक को सस्ता और सहज बनाने के निर्देश

patna@inext.co.in

PATNA (31 Oct) : उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी गंगा के मैदानी इलाकों में मंगलवार को वायु प्रदूषण से मुक्ति की साझा कोशिशों पर आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदूषण पूरे विश्व के लिए ज्वलंत समस्या है।

वायु प्रदूषण के कारण हर साल लाखों लोगों की असमय मौत हो रही है। इतना ही नहीं लाखों लोग गंभीर रोगों के शिकार बन रहे हैं। राज्य सरकार बढ़ते प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश के सभी शहरों में वायु प्रदूषण मापक यंत्र लगाएगी। पटना में ऐसे पांच और मुजफ्फरपुर में दो यंत्र शीघ्र ही लगेंगे। कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर इनवायरमेंट एंड इनर्जी डेवलपमेंट (सीड) ने किया था।



जिगजैक तकनीक पर लगे चिमनी

उन्होंने कहा कि ईट-भट्टे वायु प्रदूषण के बड़े कारक हैं इसलिए राज्य के ईट-भट्टा मालिकों को जिगजैक तकनीक पर आधारित चिमनी लगाने का निर्देश दिया गया है। पटना के निकटवर्ती पांच प्रखंडों में इस तकनीक को अपनाए बिना ईट-भट्टों को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी नगर निगमों को निर्देश दिया गया है कि कचरे की ढुलाई तिरपाल से ढक कर करें। किसानों से उन्होंने कृषि अपशिष्ट को जलाने से परहेज करने की सलाह दी। मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में वायु के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बड़ी चुनौती बनने वाला है। गाड़ियों के हॉर्न और शोर से परेशानी बढ़ रही है।

सीवरेज के पानी का खेतों में इस्तेमाल

मोदी ने बताया कि सरकार ने तय किया है कि सीवरेज के पानी का उपयोग खेती में किया जाएगा। पॉलीथिन बैग के प्रयोग को उसके निर्माण पर रोक लगा कर ही बंद किया जा सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से भविष्य के दुष्परिणामों को ध्यान में रखकर तकनीक ईजाद करने को कहा। इस मौके पर सीड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी रमापति कुमार, कुणाल शर्मा, डॉ शैवाल गुप्ता, डा. राजीव उपाध्याय आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

पटना, बुधवार

1.11.2017

प्रभात खबर

वायु की गुणवत्ता से संबंधित लगेगा बोर्ड : मोदी

संवाददाता > पटना

सेंटर फॉर इन्वायरमेंट एंड इनर्जी डेवलपमेंट (सीड) की ओर से मंगलवार को आयोजित वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री सह वन व पर्यावरण मंत्री सुशील कुमार मोदी ने एलान किया कि पटना, गया, मुजफ्फरपुर में वायु गुणवत्ता प्रबोधन केंद्र की संख्या बढ़ाई जायेगी। शहर के महत्वपूर्ण स्थलों पर वायु की गुणवत्ता से संबंधित बोर्ड डिस्पले किये जायेंगे।

मोदी ने कहा कि पटना शहर में अक्टूबर से मार्च तक वायु प्रदूषण की स्थिति चिन्ताजनक हो जाती है। इस



कार्यक्रम को संबोधित करते उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी.

दौरान वायु में छोटे कण पदार्थ की मात्रा 100 से 300 माइक्रोग्राम घनमीटर तक पायी गयी है, जबकि 60 माइक्रोग्राम घनमीटर ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईट-भट्टा वायु प्रदूषण के बड़े कारक हैं। इसलिए राज्य के सभी ईट-

भट्टा मालिकों को जिग-जैक तकनीक पर आधारित चिमनी लगाने का निर्देश दिया गया है। पटना शहर के निकटवर्ती पांच प्रखंडों में इस नयी तकनीक को अपनाए बिना ईट-भट्टों को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

उन्होंने कहा कि सभी नगर निगमों को निर्देश दिया गया है कि कचरा की ढुलाई तिरपाल से ढक कर करें। किसानों से उन्होंने अपील की कि वे अपने कृषि अपशिष्ट को जलाने से परहेज करें। आने वाले दिनों में वायु के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बड़ी चुनौती बनने वाली है। गाड़ियों के हॉर्न और अनावश्यक शोर से परेशानी बढ़ रही है। जल प्रदूषण की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने तय किया है कि सीवरेज के पानी को उपचार के बाद भी गंगा में बहाने के बजाय उसका उपयोग खेती में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन बैग के प्रयोग को उसके निर्माण पर रोक लगा कर ही बंद किया जा सकता है।

वायु गुणवत्ता प्रबोधन केन्द्र की संख्या बढ़ेगी

पटना (एसएनबी)। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने मंगलवार को ऐलान किया कि पटना, गया, मुजफ्फरपुर में वायु गुणवत्ता प्रबोधन केन्द्र की संख्या बढ़ाई जाएगी तथा शहर के महत्वपूर्ण स्थलों पर वायु की गुणवत्ता से संबंधित डिसप्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। सेंटर फॉर इन्वायरमेंट एंड इनर्जी डेवलपमेंट (सीड) की ओर से आयोजित वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के बाद अपने सम्बोधन में उपमुख्यमंत्री सह वन व पर्यावरण मंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पटना शहर में जाड़े के छह महीने यानी अक्टूबर से मार्च तक वायु प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक हो जाती है। इस दौरान वायु में छोटे कण पदार्थ की मात्रा 100 से 300 माइक्रोग्राम घनमीटर तक पायी गयी है जबकि 60 माइक्रोग्राम घनमीटर ही होना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि ईट-भट्टे वायु प्रदूषण के बड़े कारक हैं। इसलिए राज्य के



संगोष्ठी को संबोधित करते उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी।

सभी ईट-भट्टा मालिकों को जिग-जैग तकनीक पर आधारित चिमनी लगाने का निर्देश दिया गया है। पटना शहर के निकटवर्ती पांच प्रखंडों में इस नई तकनीक को अपनाए बिना

ईट-भट्टों को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

उन्होंने कहा कि सभी नगर निगमों को निर्देश दिया गया है कि कचरा की ढुलाई तिरपाल

महत्वपूर्ण स्थलों पर वायु की गुणवत्ता से संबंधित डिसप्ले बोर्ड लगाए जाएंगे : उपमुख्यमंत्री

सीड की ओर से वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय सेमिनार

से ढंक कर करें। किसानों से उन्होंने अपील की कि वे अपने कृषि अवशिष्ट को जलाने से परहेज करें। आने वाले दिनों में वायु के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ी चुनौती बनने वाली है। गाड़ियों के हॉर्न और अनावश्यक शोर से परेशानी बढ़ रही है। जल प्रदूषण की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने तय किया है कि सीवरेज के पानी को उपचार के बाद भी गंगा में बहाने के बजाय उसका उपयोग खेती में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन बैग के प्रयोग को उसके निर्माण पर रोक लगा कर ही बंद किया जा सकता है।

ईट-भट्टा वायु प्रदूषण के बड़े कारक

■ महत्वपूर्ण स्थलों पर वायु की गुणवत्ता से संबंधित लगेंगे डिस्पले बोर्ड : उपमुख्यमंत्री

पटना/कार्यालय संवाददाता

सेंटर फॉर इन्वायरमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) की ओर से आयोजित वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के बाद अपने सम्बोधन में उपमुख्यमंत्री सह वन व पर्यावरण मंत्री सुशील कुमार मोदी ने एलान किया कि पटना, गया, मुजफ्फरपुर में वायु गुणवत्ता प्रबोधन केन्द्र की संख्या बढ़ाई जाएगी तथा शहर के महत्वपूर्ण स्थलों पर वायु की गुणवत्ता से संबंधित बोर्ड डिस्पले की जाएगी। उन्होंने कहा कि पटना शहर में जाड़े के छह महीने यानी अक्तूबर से मार्च तक वायु प्रदूषण की स्थिति चिन्ताजनक हो जाती है। इस दौरान वायु में छेपे कण पदार्थ की मात्रा 100 से 300 माइक्रोग्राम घनमीटर तक पायी गयी है, जबकि 60 माइक्रोग्राम घनमीटर ही होना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि ईट-भट्टा वायु प्रदूषण के बड़े कारक हैं। इसलिए राज्य के सभी ईट-भट्टा मालिकों को जिग-



जैक तकनीक पर आधारित चिमनी लगाने का निर्देश दिया गया है। पटना शहर के निकटवर्ती पांच प्रखंडों में इस नई तकनीक को अपनाए बिना ईट-भट्टों को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। उन्होंने कहा कि सभी नगर निगमों को निर्देश दिया गया है कि कचरा की ढुलाई तिरपाल से ढक कर करें। किसानों से उन्होंने अपील की कि वे अपने कृषि अवशिष्ट को जलाने से परहेज करें। उन्होंने कहा कि आने वाले

दिनों में वायु के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बड़ी चुनौती बननेवाली है। गाड़ियों के हॉर्न और अनावश्यक शोर से परेशानी बढ़ रही है। जल प्रदूषण की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने तय किया है कि सीवरज के पानी को उपचार के बाद भी गंगा में बहाने के बजाय उसका उपयोग खेती में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन बैग के प्रयोग को उसके निर्माण पर रोक लगा कर ही बंद किया जा सकता है

ہوا کی آلودگی سے پنڈے کیلئے شیڈ کی کوشش

ایر کوالیٹی مینجمنٹ پر منعقد قومی سیمینار کا ڈپٹی سی ایم سشیل کمار مودی نے دیا افتتاح

اتر پردیش کے ریاستی آلودگی کنٹرول بورڈ کے رکن سکریٹری و دیگر سینئر افسران نے اس کانفرنس میں حصہ لیا۔ اتر پردیش حکومت کے وزیر ماحولیات وارا سنگھ چوہان اور جھارکھنڈ حکومت میں خوراک و سیول سپلائی کے وزیر سر یو رائے نے پری ریکارڈڈ ویڈیو میسج کے ذریعہ کانفرنس میں اپنے خیالات کا اظہار کیا۔ شیڈ کے سی اور ام جی نے کہا کہ آلودہ ہوا سے صحت سے متعلق بہت سارے مسائل پیدا ہوتے ہیں لہذا تینوں ریاستوں کو مل کر کام کرنا چاہیے۔



پٹنہ (راجیش) بہار کے نائب وزیر اعلیٰ شکیل کمار دی نے ایئر کوالیٹی مینجمنٹ پر منعقد قومی کانفرنس کا آج افتتاح کیا اور اس کی صدارت بھی کی۔ سنٹر ذرا انوار مینٹ اینڈ انرجی ڈولپمنٹ (CEED) کے ذریعہ منعقد ہوا کی آلودگی پر مرکوز اس قومی سیمینار کا مقصد تین ریاستوں اتر پردیش، بہار اور جھارکھنڈ کی حکومت کے نمائندوں کے ساتھ مل کر ایک علاقائی صاف ہوا کام منصوبہ (ریجنل کلین ایئر ایکشن پلان) پر غور و خوض کرنا تھا۔ پٹنہ کے کمشنر شری آنند کسور سیت بہار، جھارکھنڈ اور

National conference on air quality management

Our Correspondent

PATNA: A national conference on air quality management was organised here on Tuesday in the state capital. Sushil Kumar Modi, Deputy Chief Minister of Bihar, inaugurated and convened a conference on air quality management. The national conference was organised by Centre for Environment and Energy Development (CEED) in an attempt to bring government representatives from three states Bihar, Jharkhand, and Uttar Pradesh together to discuss a regional clean air action plan.

Anand Kishor, Divisional Commissioner along with Member Secretaries and senior representatives from the State Pollution Control Boards of Uttar Pradesh, Bihar, and Jharkhand also participated in the conference.

Environment Minister of Uttar Pradesh Dara Singh Chauhan and Food, Public Distribution and Consumer Affair Minister of Jharkhand Saryu Rai shared their thoughts through pre-recorded video messages. While elaborating on

the need for an integrated regional clean air action plan, Ramapati Kumar, CEO, CEED, stated, "Poor air quality is causing public health nightmares. The need of the hour is to tackle this threat urgently. States must work collaboratively to formulate a concrete Regional Clean Air Action Plan with watertight policies and well-defined interventions on short, medium and long term basis." Bihar, Jharkhand, and Uttar Pradesh all together comprising a population of more than 35 millions has only 78 manual monitoring stations installed to capture air quality data. Speaking on the issue of the lack of monitoring and data availability in setting up a collaborative and time-bound action plan for air pollution in India, Prof. Sachidanand Tripathi, Coordinator, Centre for Environmental Science & Engineering, Indian Institute of Technology (IIT) Kanpur said, "In order to enhance air quality monitoring, we need to set up more monitoring stations across the states. There is also a need to conduct an elaborative study to understand the source of



these emissions through the source apportionment study for all the major cities in the region." He further suggested that the need of the hour is to treat air as a resource and also

supported the formation of a board along the lines of the California Air Resource Board to secure breathable air in the Indo-Gangetic region. Expressing deep concern over

the exponential rise in the number of private vehicles and its subsequent effect on public health in the Indo-Gangetic region, Anumita Roy Chowdhury, Executive

Director, Centre for Science and Environment (CSE) said, "Vehicles are responsible for very high toxic exposure with serious health consequences in our cities. The cities in the Indo-

Gangetic region that is in early stages of motorisation needs urgent action to curb growing dependence on private vehicles, and scaled up and reliable public transport systems with good last-mile connectivity. Also reduce emissions from on-road vehicles, especially diesel powered older vehicles." She emphasised the need of a transition to cleaner vehicles (including electric vehicles) for sustaining the air quality in the region. Highlighting the health implications related to health implications from industrial pollution.

Abhishek Pratap, Director of Programmes, CEED said, "Air pollution that claims around 7 million deaths annually affects 35 million people living in 29 cities in the Indo-Gangetic region. It adversely affects health and livelihood of the region far removed from the point of emission. We need to identify key challenges for a cleaner transition in the industry of the region and required financial, technical and regulatory support to reduce industrial emissions and impact on the air quality."

conference helped identify key areas of engagement air quality management among the Pollution Control Boards and government agencies of Uttar Pradesh, Bihar and Jharkhand to regulate the ever rising air pollution levels in these regions. The conference was well attended by several other eminent speakers and environmental experts, including Dr Rajeev Upadhyay, Chief Environmental Officer of Uttar Pradesh Pollution Control Board; Prof. S N Tripathi, Professor from IIT-Kanpur, Anumita Roy Chowdhury, Executive Director of Centre for Science and Environment (CSE), Dr. Sarath Guttikunda, Founder/Director of Urban Emissions.info; Bhargav Krishna, Manager of Public Health Foundation of India; Priyavrat Bhati, Programme Director of Centre for Science and Environment (CSE); Pawan Mulukutla, Head of Integrated Transport at World Resource Institute (WRI); Siddharth Kalhans, Senior Journalist, Business Standard, Vinuta Gopal, Campaign Director of ASAR, among others.

MORNING INDIA

www.pmedia.in

02 Patna, Wednesday
01 November 2017



نائب وزیر اعلیٰ سوشل کمار مودی فضائی آلودگی پر مبنی سمینار کا افتتاح کرتے ہوئے (فوتو: آزاد)

اہم مقامات پر فضائی آلودگی سے متعلق بورڈ ڈسپلے ہونگے: مودی

حکومت کے وزیر سیاحت داراسنگہ چوہان اور جھارکھنڈ کے وزیر خوراک سر یو رائے نے پری ریکارڈیڈ ویڈیو پیغام کے ذریعہ کانفرنس میں اظہار خیال کیا۔ اس موقع پر سیڈ کے سی ای او راجی کمار نے کہا کہ فضائی آلودگی صحت کی راہ میں حائل ہے۔ وقت کا تقاضہ ہے کہ فضائی آلودگی سے فوری نپٹا جائے۔ اس سلسلے میں ایک موثر حکمت بنائے جانے کی ضرورت ہے۔ یہ کانفرنس اس سمت میں کارگر ثابت ہوگی۔

اہم مقامات پر ہوا کے معیار سے متعلق بورڈ ڈسپلے کیا جائے گا۔ انہوں نے کہا کہ پٹنہ شہر میں جاڑے کے چھ مہینے یعنی اکتوبر سے مارچ تک فضائی آلودگی کی صورتحال تشویشناک ہو جاتی ہے۔ انہوں نے کہا کہ فضائی آلودگی پر قابو پانے میں گنگا کے میدانی علاقوں کی ریاستوں کی کوششیں اہم ہیں۔ اس کانفرنس کا مقصد تین ریاستوں اتر پردیش، بہار اور جھارکھنڈ حکومتوں کے نمائندوں کے ساتھ ملکر ایک ریجنل ورک پلان تیار کرنا تھا۔ کانفرنس میں اتر پردیش

پٹنہ (ت ن س) ریاست کے نائب وزیر اعلیٰ سوشل کمار مودی نے کہا ہے کہ فضائی آلودگی سے بچنے کے لئے گنگا کے میدانی علاقوں کی ریاستوں کو مشترکہ کوششیں کرنی چاہئے۔ سنٹر فار انوائمنٹ اینڈ انرجی ڈیولپمنٹ (سیڈ) کی جانب سے فضائی آلودگی پر کنٹرول سے متعلق ایک میٹل کانفرنس سے خطاب کرتے ہوئے مسٹر مودی نے کہا کہ پٹنہ، گریما، مظفر پور میں ہوا کے معیار کی جانچ کے اداروں کی تعداد بڑھانی جائے گی اور شہر کے

پटना

आज →

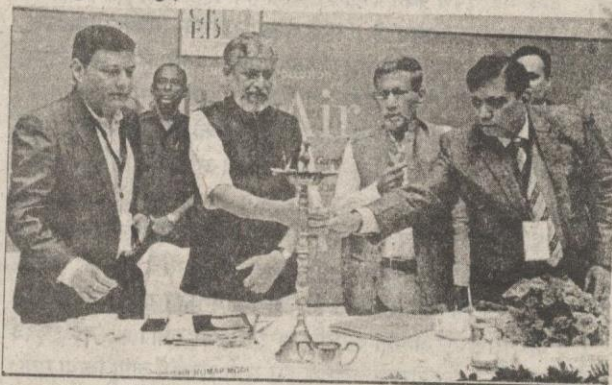
बुधवार, 9 नवम्बर, 2016



पटना में पांच वायु प्रदूषण मापक यंत्र लगेंगे

पटना (आससे)। पटना में पांच वायु प्रदूषण मापक यंत्र लगेंगे। साथ ही राज्य के अन्य बड़े जिले में भी वायु प्रदूषण मापक यंत्र लगाया जायेगा। जिससे लोगों को वायु प्रदूषण के बारे में जानकारी मिल सके। ये बातें उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने मंगलवार को एयर क्वालिटी मैनेजमेंट विषय पर आयोजित नेशनल सम्मेलन में कही। श्री मोदी ने कहा कि हम सभी को मिलकर प्रदूषण रोकने की जरूरत है। सभी के प्रयास से ही जल, वायु, च्वनि और भूमि प्रदूषण रोक जा सकता है। उन्होंने विशेषज्ञों से वायु प्रदूषण से बचाव के लिए ऐसी तकनीक विकसित करने को कहा, जिसके दूरगामी परिणाम हो।

इस अवसर पर सीड के सीडओ रामपति कुमार ने कहा कि खराब वायु गणवत्ता जन स्वास्थ्य संबंधी विकट



समस्याएं पैदा कर रही हैं। समय की मांग है कि इस खतरे से अविलम्ब निबट जाय। उन्होंने कहा कि यूपी, झारखंड और बिहार तीनों राज्यों को मिलकर एक ठोस रिजनल क्लीन एयर एक्शन प्लान के निर्माण पर काम

करना चाहिए। उन्होंने बताया कि यूपी, झारखंड और बिहार तीनों राज्यों में 35 मिलियन की आबादी पर, वायु गणवत्ता संबंधी आंकड़ों के संग्रहन के लिए केवल 78 मैनुअल मोनिटरिंग सेंटर स्थापित है।

فضائی آلودگی سے نپٹنے کیلئے میدانی علاقہ کی ریاستیں کریں مشترکہ کوشش: سیڈ

تفصیل کا بھی مطالبہ کیا۔ تاکہ ہندوستان میں گنگا کے میدانی علاقوں میں سانس لینے والی صاف ہوا کو یقینی کیا جاسکے۔ کانفرنس میں جن مخصوص لوگوں کی سرگرم حصہ داری رہی اور جن مقررین نے اپنے خیالات کا اظہار کیا ان میں اتر پردیش، بالوٹن کنٹرول بورڈ کے چیف انوائرنمنٹ آفیسر ڈاکٹر راجیو اوپادھیائے آئی آئی کانپور سے پروفیسر این این تریباخی، سنٹر فار سائنس اینڈ انوائرنمنٹ کی آرگنائزنگ ڈائریکٹر انوینٹارے چودھری، اربن ایمپیشنس انفو کے فائوڈر ڈائریکٹر ڈاکٹر سرگھ کھٹ کڈا پبلک بلتھ فائوڈریشن آف انڈیا کے ممبر بھارگوکرشنا، سنٹر فار سائنس اینڈ انوائرنمنٹ کے پروگرام ڈائریکٹر پریورت بھائی، ورلڈ انشٹیٹیوٹ میں انٹی کرپٹڈ ٹرانسپورٹ کے ہیڈ کے پون مولوکلا، گرین ویج نائج سائون کے ڈائریکٹر ڈاکٹر سمیر متھل، پرنس اسٹڈیو کے سینئر جرنلسٹ سدھارتھ کھنسن، اے ایس اے آر کی کمپنن ڈائریکٹر وینونا گوپال وغیرہ قابل ذکر ہیں۔



اتر پردیش تینوں ریاستوں میں 35 ملین کی آبادی پر آب و ہوا کے معیار سے متعلق آکٹوز کے اکٹھا کرنے کے لئے صرف 78 مینوئل مانیٹرنگ سنٹر قائم ہیں۔ کی تحقیق اور مطالعوں سے ظاہر ہوا ہے کہ ملک میں فضائی آلودگی سے نپٹنے کے لئے وقت پرینی اور ایک مشترکہ کام کا منصوبہ کی تعمیر میں مانیٹرنگ ورک کی کی اور ڈائنامیائی کے مسائل سب سے بڑی رکاوٹ ہیں۔ اس سلسلے میں آئی آئی کانپور کے سنٹر فار انوائرنمنٹ سائنس اینڈ انجینئرنگ کے کوآرڈینیٹر پروفیسر جمید اندر تریباخی نے کہا

پٹنہ، 31 اکتوبر (پرمود کمار پانڈک) بہار کے نائب وزیر اعلیٰ شیل کمار مودی نے نیشنل کانفرنس کا افتتاح کیا اور اس کی صدارت بھی کی۔ سنٹر فار انوائرنمنٹ اینڈ انرجی ڈیولپمنٹ (سیڈ) کے ذریعہ منعقد فضائی آلودگی پر مرکوز اس قومی اجلاس کا مقصد تین ریاستوں اتر پردیش، بہار و جھارکھنڈ کی سرکار کے نمائندوں کے ساتھ مل کر ایک علاقائی شفاف فضا کے کام کا منصوبہ (رجنل کلین ایئر ایکشن پلان) پر غور و خوض کرنا تھا۔ پٹنہ کے کشنر آئنڈرکشور سمیت بہار، جھارکھنڈ اور یو پی کے ریاستی آلودگی کنٹرول بورڈوں کے ممبر سرکریٹریوں و دیگر اعلیٰ آفیسران نے اس کانفرنس میں حصہ لیا۔

اتر پردیش سرکار نے وزیر ماحولیات دارا سنگھ چوہان اور جھارکھنڈ سرکار میں خوراک، عوامی تقسیم اور صارفین معاملے کے وزیر سر یورائے پی ریکارڈیڈ ویڈیو میسج کے ذریعہ اجلاس میں اپنے خیالات اور مشورے کا اظہار کیا۔ بہار جھارکھنڈ اور

آلودگی سے نپٹنے کے لئے حکومتیں کریں کوشش: سیڈ

پٹنہ، بہار کے نائب وزیر اعلیٰ شیل کمار مودی نے ایئر کوالٹی مینجمنٹ کا افتتاح کیا۔ سینٹر فار انوائرنمنٹ اینڈ انرجی ڈیولپمنٹ (سیڈ) کے زیر اہتمام منعقد ایئر پولوشن پر محیط اس قومی سیمینار کا مقصد 3 ریاستوں اتر پردیش، بہار اور جھارکھنڈ کی حکومت کے نمائندوں کے ساتھ مل کر رجنل کلین ایئر ایکشن پلان پر غور و خوض کرنا تھا۔ پٹنہ کے کشنر آئنڈرکشور سمیت بہار جھارکھنڈ اور یو پی کے ریاستی پولوشن کنٹرول بورڈ کے اراکین سرکریٹری اور دیگر افسران نے اس کانفرنس میں شرکت کی



اتر پردیش حکومت میں وزیر ماحولیات دارا سنگھ چوہان اور جھارکھنڈ میں عوامی نظام تقسیم صارفین معاملے کے وزیر سر یورائے پی ریکارڈیڈ ویڈیو پیغام کے ذریعہ کانفرنس میں اپنے تاثرات پیش کئے۔ گنگا کے میدانی علاقوں میں پرائیویٹ گاڑیوں میں بے تہاشہ اضافہ اور اس کے عوامی صحت پر پڑنے والے منفی اثر پر گہری فکر کا اظہار کرتے ہوئے سیڈ کے ایکو کیوٹیو ڈائریکٹر انوینٹارے چودھری نے کہا کہ ہمارے شہروں گاڑیوں کے ذریعہ نکلنے والے خطرناک دھوئیں رابطے میں آنے کے نتیجے میں صحت پر برا اثر پڑتا ہے۔

بدھ، یکم نومبر، 2017

Wednesday, 01 November, 2017

فضائی آلودگی انسانی صحت کے لئے سنگین خطرہ

ریاست میں بہت جلد ملک بھر کے وزرائے ماحولیات کا ہوگا اجلاس: نائب وزیر اعلیٰ



کوالٹی کی دیکھ ریکھ کو بڑھاوا دینے کے لئے ہمیں ان ریاستوں میں زیادہ سے زیادہ مانیٹرنگ سنٹر قائم کرنے کی ضرورت ہے۔ انہوں نے یہ مشورہ دیا کہ صاف ہوا کی اہمیت کو سمجھتے ہوئے اسے ایک وسیلے کی طرح ماننا چاہئے اور کیلی فورنیا ایئر ریسورس بورڈ کی طرز پر ایک بورڈ تشکیل دینے کی مانگ کی۔ تاکہ بھارت کے لگائی جانے والی علاقوں میں سانس لینے والی صاف ہوا کو یقینی بنایا جائے۔

سنگین خطرہ پیدا کر رہی ہے۔ وقت کی مانگ ہے کہ اس خطرے سے بلا تاخیر بچنا جائے۔ ایسے میں ایک بہتر پالیسی کے تحت عارضی، وسطی اور طویل مدتی اقدام کے ذریعہ ٹھوس ریجنل کلین ایئر ایکشن پلان تیار کر کے ان تینوں ریاستوں کو مل کر کام کرنا چاہئے۔ اس سلسلے میں آئی ٹی کانٹور کے سینئر فار انوائرنمنٹ سائنس اینڈ انجینئرنگ کے کو آرڈینیٹر پروفیسر اجندر پانیگی نے کہا کہ ایئر

انہوں نے کہا کہ سماجی آلودگی صحت کے لئے سخت خطرہ ہے۔ مودی نے کہا کہ بہار سرکار اس پر قابو پانے کے لئے کوشاں ہے۔ یوپی سرکار میں وزیر ماحولیات دارا سنگھ چوپان اور جھارکھنڈ سرکار میں خوراک عوامی نظام تنظیم اور صارفین امور کے وزیر سرپورائے نے پری ریکارڈیڈ ویڈیو میسج کے ذریعہ کانفرنس میں اپنی بات رکھی۔ سیڈ کے اے ای اور ام پتی کمار نے کہا کہ خراب آب و ہوا انسانی صحت سے متعلق

پٹنہ، 30 اکتوبر، سماج نیوز سروس: نائب وزیر اعلیٰ شکیل کمار مودی نے کہا ہے کہ ریاست میں بہت جلد ملک بھر کے وزرائے ماحولیات کا اجلاس کرایا جائے گا۔ انہوں نے صحت مند آب و ہوا کے لئے سماجی آلودگی پر کنٹرول کی سخت ضرورت جتائی۔ مودی آج 'سیڈ' کے ذریعہ منعقد 'ہیملڈی ایئر' کے موضوع پر منعقد ٹیبلٹ کانفرنس کے افتتاح کے موقع پر ایک تقریب کو خطاب کر رہے تھے۔

01.11.2017

گاڑیوں کے بے تحاشہ اضافہ کو روکنا ضروری: بشیل مودی

ایک علاقائی صاف ستھرے ماحول کے لئے عملی منصوبہ
پرتبادلہ خیال کرنا تھا۔ پندرہ کے کسٹمر آئندہ کسٹمر سمیت
بہار، جھارکھنڈ اور اتر پردیش کے ریاستی آلودگی کنٹرول
بورڈ کے ممبر سکریٹری اور دیگر سینئر افسران نے اس
کانفرنس میں حصہ لیا۔ بہار جھارکھنڈ اور اتر پردیش تینوں
ریاستوں میں 35 کروڑ کی آبادی پر نفاذی آلودگی کا
اعداد و شمار کیجا کرنے کے لئے صرف 78 مانیٹرنگ سنٹر
ہیں۔ انہوں نے بتایا کہ ان سنٹروں سے علاقے
کے بڑے شہروں کے لئے مطالبہ کے توسط سے آلودگی
سے مسائل کو جاننے سمجھنے کے لئے نسیجیگی سے غور و عمل
کرنا ہوگا۔ گز کا کے میدانی علاقوں میں پرائیویٹ گاڑیوں میں بے تحاشہ اضافہ اور عوامی
صحت پر پڑنے والے بے اثرات پر گہری تشویش ظاہر کرتے ہوئے سنٹر کے
انومیکار نے چوہری کے کہا کہ ہماری شہری گاڑیاں سے نکلنے والا ہر بلا دھواں کے
رابطہ میں آنے سے صحت پر کافی مضرت پڑتا ہے۔



پندرہ 31 اکتوبر (پی این ایس): نائب وزیر اعلیٰ بشیل مودی نے آب و ہوا
کے معیار پر منعقد قومی کانفرنس کا آج افتتاح کیا۔ سنٹر فار انوارمنٹ اینڈ انرجی
ڈیولپمنٹ (سی ڈی) کے زیر اہتمام منعقد نفاذی آلودگی پر مرکوز قومی کانفرنس کا
مرکز تین ریاستیں اتر پردیش، بہار اور جھارکھنڈ حکومت کے نمائندوں سے مل کر

Patna, Wednesday, 01 November, 2017

آلودگی پر قابو پانے کیلئے مشترکہ کوشش کی ضرورت



پٹنہ، 31 اکتوبر (سنگم نیوز سروس): نائب وزیر اعلیٰ سوشل کمار مودی نے ایئر کوالٹی پرمیٹیشنل کانفرنس کا آج افتتاح کیا۔ تقریب کی صدارت کرتے ہوئے انہوں نے کہا کہ آلودگی سے نشینے کے لئے لڑنے کے میدان کی ریا میں مشترکہ کوشش کریں۔ سینئر فارما انڈسٹری اینڈ انرجی ڈیولپمنٹ (سیڈ) کے ذریعہ منعقد پروگرام سے خطاب کرتے ہوئے جناب مودی نے کہا کہ حکومت کی جانب سے آلودگی پر قابو پانے کے لئے ہر ممکن اقدامات کئے جا رہے ہیں۔ اس کانفرنس کا مقصد تین ریاستوں، یوپی، بہار اور جھارکھنڈ کے نمائندوں کے ساتھ مل کر رائے مشورہ کرنا تھا۔ اس موقع پر یوپی میں ماحولیات کے وزیر دارا سنگھ چوہان، جھارکھنڈ حکومت میں خوراک اور غواہی نظام تقسیم کے وزیر سر جورانے نے پری ریکارڈڈ ویڈیو پیج کے توسط سے اپنی رائے رکھی۔

01/11/2017

THE INQUILAB

قوموں کی حیات اُن کے تخیل پہ ہے موقوف (اقبال)

بہار، جھارکھنڈ اور یوپی کی مشترکہ کوشش سے آلودگی پر قابو پایا جاسکتا ہے: سشیل مودی

پٹنہ (جاوید اختر): سسٹم کی سی ای اور مہنتی کمار نے کہا کہ آلودگی صحت کے لئے بہت ہی خطرناک ہے اور یہ کی بیماریوں کو ساتھ لے کر آتی ہے۔ وقت کا تقاضا ہے کہ اس خطرے سے بلا تاخیر نمٹا جائے، اس کے لئے جزیقی اور کل وقتی منصوبے کے تحت تھیں ریجنل پلان کے لئے بہار، جھارکھنڈ اور اتر پردیش کو مشترکہ طور پر کام کرنا چاہئے۔ رہائشی منگل کو ایئر کو آلودگی مٹھ کے موضوع پر سنٹر فار انوارمنٹ اینڈ انرجی ڈیولپمنٹ (سیڈ) کے ذریعہ منعقد قومی کانفرنس میں اپنے خیالات کا اظہار کر رہے تھے۔ نائب وزیر اعلیٰ سشیل کمار مودی نے کانفرنس کا افتتاح کرتے ہوئے صاف و شفاف ماحولیات پر زور دیا۔ انہوں نے کہا کہ اس کانفرنس کا مقصد بہار، جھارکھنڈ اور اتر پردیش کی حکایت کے نمائندوں کے ساتھ مل کر ایک ریجنل کلین ایئر ایکشن پلان پر تبادلہ خیال کر کے ایک لائحہ عمل مرتب کرنا ہے واضح رہے کہ ان تینوں ریاستوں میں ۵۵ ملین کی آبادی پر مشتمل ایئر کو آلودگی سے متعلق اعداد و شمار کے ٹھیکیشن کے لئے صرف ۸ ماہٹرنگ سنسر قائم کئے گئے ہیں۔ تحقیق کی رپورٹ کے مطابق آلودگی سے نمٹنے کے لئے مقررہ مدت پر مبنی مشترکہ لائحہ عمل اور ماہٹرنگ ورک کی کمی اور اعداد و شمار کی دستیابی کے مسائل اس کام میں سب سے بڑی رکاوٹیں ہیں۔ کانپور کے سنٹر فار انوارمنٹ سائنس اینڈ انجینئرنگ کے کوآرڈینیٹر پروفیسر سچیتاندر پاشی نے کہا کہ ایئر کو آلودگی کے کام میں تیز رفتاری کیلئے ان تینوں ریاستوں میں زیادہ سے زیادہ ماہٹرنگ سنسر قائم کرنے کی ضرورت ہے۔ اس کے علاوہ ان علاقوں میں آلودگی کے اسباب کی معلومات کے لئے ریسرچ کی بھی ضرورت ہے۔ انہوں نے صاف ہوا کی افادیت بتاتے ہوئے اسے ایک وسائل کی طرح ماننے اور کیل فور نیل ایئر ریسورس بورڈ کی طرز پر ایک بورڈ کی تشکیل کا مطالبہ کیا تاکہ بھارت کے میدانی علاقوں میں سائنس لینے والی تازہ اور صاف ہوا کو نشینی بنایا جاسکے۔

FAROUZI PATNA
Wednesday 01.11.2017

PATNA

ہوا کی آلودگی پر کنٹرول وقت کی اہم ضرورت: مودی

تیز آواز میں ہارن بجاتی ہوئی گاڑیاں اور ٹریفک کا دباؤ ہوا کی آلودگی کا بنیادی سبب

پٹنہ (اقبال امام): سشیل کمار مودی نائب وزیر اعلیٰ نے اپنے خطاب میں کہا کہ ہوا میں آلودگی بڑھتی جا رہی ہے جو بڑھتی آبادی کی وجہ سے ہے۔ 15-20 سال پہلے ماحولیات کا ذکر نہیں ہوتا تھا۔ مجھے لگتا ہے کہ 5 سال پہلے سے ہی ماحولیات کا ذکر ہونے لگا ہے۔ یہاں ٹریفک جام میں نصف گھنٹہ سے ہی ہورن بجانا ڈرامیور شروع کر دیتا ہے۔ ڈرامیور یہ نہیں سمجھتا کہ ہارن بجانے سے کتنا نقصان ہو رہا ہے۔ ماحولیات آلودگی کے سلسلے میں سشیل کمار مودی نے یہ بھی کہا کہ کتنا بھی روک تھام کر لو پوٹھین کے سلسلے میں پھر بھی ابھی تک پوٹھین بننا نہیں رکے گا۔ حکومت کو پوٹھین پر پابندی لگانے کے بجائے پوٹھین فیئری پر پابندی لگانی چاہئے۔ انہوں نے کہا کہ گنگا کا پانی پورے طرح سے صاف رہنا چاہئے۔ کسی طرح کا گنگا پانی گنگا میں بھانا نہیں

چاہئے۔ جس سے بیماری نہ پھیلے اور آلودگی صحت مند ہے۔ کندے پالی سے ہٹتی ہوئی چاہئے۔ اس کیلئے ریاستی حکومت کھل کر رہی ہے۔ ہوا کی آلودگی کی بیداری کیلئے بہار حکومت جگہ جگہ ہوا کی آلودگی کا ڈسپلے لگائے گی۔ جس سے عام لوگوں میں آلودگی کے سلسلے میں بیداری بڑھے گی اور آلودگی کے روک تھام کیلئے پرانی موٹر سائیکل اور ٹریفک کا بڑھتے ہوئے دباؤ پر دھیان دینے کی ضرورت ہے تاکہ ہوا کی آلودگی پر کنٹرول ہو سکے۔ جناب مودی نے کہا کہ ہوا کی آلودگی سے شہر کو محفوظ رکھنے کیلئے سڑکی پر سڑ پر جو بھی کوشش ہو رہی ہے۔ اس کے ساتھ ہی ساتھ عوامی سطح پر بھی حکومت کو کوششوں کے ساتھ تعاون کی ضرورت ہے۔ تاکہ دو طرفہ کوششوں سے ہوا کی آلودگی کو کنٹرول میں رکھا جاسکے اور اس کی وجہ سے پھیلنے والی بیماریاں کم ہو سکیں۔

01/11/17

'Urgent steps needed to check growing air pollution level'

Nandini

■ htpatna@hindustantimes.com

PATNA: The public debate on air pollution has gained momentum in the last few years, but it remains centred on big cities only. However, the fact remains that 35 million people across 29 cities and 48 towns spread across 12,500 square kilometres long Gangetic river basin in northern India are exposed to alarming levels of air pollution. Most of these cities are in the states of Uttar Pradesh, Bihar and Jharkhand - considered to be the most polluted cities across the globe.

To discuss these problems and their solutions, the centre of environment and energy development (CEED) and Shakti Sustainable Energy Foundation jointly organised a national conference on air pollution with focus on Bihar, Jharkhand and Uttar Pradesh. Deputy chief minister Sushil Kumar Modi inaugurated the conference in which divisional commissioner Anand Kishor was also present.

Environment minister of Uttar Pradesh Dara Singh Chouhan and consumer affairs minister of Jharkhand and environment activist Saryu Rai also shared their views through video conferencing.

The three states, together comprising of a population of over 35 million (30% of Indian population), have only 78 manual air quality monitoring stations. There are only five monitoring

THE THREE STATES, TOGETHER COMPRISING OF A POPULATION OF OVER 35 MILLION (30% OF INDIAN POPULATION), HAVE ONLY 78 MANUAL AIR QUALITY MONITORING STATIONS

stations in Bihar to map the air quality.

"We need to set up more monitoring stations for an extensive study to understand the sources of emissions in all major cities of the region," said Sachidanand Tripathi, head, environmental science and engineering, IIT Kanpur.

Modi announced to set up five more air quality monitoring stations in Patna and asked the panellists to discuss more such stations in major cities of the region.

Ramapati Kumar, CEO of CEED, said: "Poor air quality is causing public health nightmares. We need to tackle this urgently."

"Vehicles are responsible for extremely high toxic exposure with serious health consequences. There is need for urgent action to control growing dependence on personal vehicles and scale up integrated reliable public transport systems," said Anumita Roy Chowdhary, executive director, centre for science and environment.



■ Deputy CM Sushil Kumar Modi and others inaugurating a CEED conference on air pollution, in Patna on Tuesday. SANTOSH/HT PHOTO

ALARMING SCENARIO

SOME FACTS

Most polluted cities in Gangetic Basin: Patna, Muzaffarpur, some cities of Jharkhand, Kanpur, Lucknow, Firozabad, Allahabad, Varanasi

Patna generating more garbage without increasing ability to dispose it of

Total number of brick kilns in Bihar: 55,607

TRANSPORT

Registered vehicles in Bihar: 47 lakh

Sector contributes 20% of total population.

CEED survey says pollution under check (PUC) certificate can be procured easily without even taking the vehicle for necessary test

India 4th largest automobile manufacturer in world with on-road fleet of over 25 million

Sector growing at a rate of 6.1%

SOLID FUEL USAGE

Bihar ranks first in solid fuel consumption

90% population of Bihar uses solid fuel for cooking

WHO says smoke inhaled from solid fuel equivalent to burning 400 cigarettes per hour

